University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

University in News on 12 January 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पार्टटाइम पीएचडी : कई परिणाम जारी

लखनऊ। लविवि प्रशासन ने मंगलवार को भी कई पाठ्यक्रमों के पार्टटाइम पीएचडी के परिणाम जारी किए। डीन प्रवेश प्रो. वीके शर्मा के अनुसार मंगलवार को पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, सोशल वर्क, जियोलॉजी, केमेस्ट्री व राजनीति विज्ञान विषय के चयनित विद्यार्थियों की सूची जारी की गई है। अभ्यर्थी 15 जनवरी तक लविवि की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन अपनी फीस जमा कर सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि : एआर के कार्यों का हुआ वितरण

लखनऊ। लविवि में तैनात डीआर के रजिस्ट्रार कैडर में प्रमोशन के बाद मंगलवार को असिस्टेंट रजिस्ट्रार के कार्यों का वितरण किया गया। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह के अनुसार राकेश मिश्र परीक्षा, विधि, मीटिंग अनुभाग, सूचना, आईजीआरएस का काम देखेंगे। शशिप्रभा तिवारी डिस्पैच, प्रोजेक्ट, विकास व शोध, प्रवेश, छात्रवृत्ति आदि का काम देखेंगी। प्रमोद मिश्रा को शिक्षक, शिक्षणेत्तर, रिक्रूटमेंट एंड एसेसमेंट सेल, अभिलेख अनुभाग व महेश चंद्र शुक्ला को लेखा, ऑडिट, सामान्य प्रशासन, रूसा, स्टोर व टेंडर का काम दिया गया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि : नई संबद्धता के 13 आवेदन

लखनऊ। लविवि प्रशासन ने नई संबद्धता के लिए पिछले दिनों आवेदन मांगे थे। इस क्रम में पांच जिलों में 13 नए कॉलेजों ने आवेदन किया है। इसके अनुसार लखनऊ में 04, हरदोई में 03, सीतापुर में 03, रायबरेली में 02, लखीमपुर में 01 आवेदन नए कॉलेज के लिए हुआ है। इसी प्रकार पहले से चल रहे कॉलेजों में 25 न्यू कोर्सों के लिए आवेदन हुए हैं। इसमें लखनऊ के 12, हरदोई के 04, सीतापुर के 04, रायबरेली के 01, लखीमपुर के 04 हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि ने मेधावियों को दिए स्वर्ण पदक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद व अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा प्रतिभावान एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को मंगलवार को पदक वितरित किया गया। डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने छात्र यश वर्मा, बीए पांचवें सेमेस्टर को पियरे स्वर्ण पदक दिया। यह पदक विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाता है। यश वर्मा टेनिस के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं। उन्होंने 11 स्वर्ण व 12 रजत पदक प्राप्त किए हैं। पिछले साल उत्तर प्रदेश के सॉफ्ट टेनिस के विजेता भी रह चुके हैं। इसके साथ छात्रा श्रेया बीएससी पांचवें सेमेस्टर को राजा शंकर सहाय मौरावां स्वर्ण पदक दिया गया। यह पदक खेल व शिक्षा में सर्वोत्तम योगदान के लिए दिया जाता है। श्रेया ने 2017 में प्रदेश सरकार द्वारा साफ्ट टेनिस में रानी लक्ष्मी बाई पुरस्कार प्राप्त किया था। इसके अतिरिक्त उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर 8 स्वर्ण पदक व 7 रजत पदक प्राप्त किए हैं। साथ ही साथ श्रेया ने थाईलैंड और दक्षिण कोरिया में वर्ष 2018 में जूनियर विश्व चैम्पियन प्रतियोगिता में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया गया है। इस अवसर पर डॉ. देश दीपक अध्यक्ष क्रीड़ा परिषद, प्रो. रूपेश कुमार सचिव व संजय मेधावी कोषाध्यक्ष आदि मौजूद थे। (माई सिटी रिपोर्टर)

i-NEXT PAGE 4

एलयू में पढ़ाई की बनेंगी एजुकेशनल फिल्में

फिल्म स्टार गोविंदा के भाई फिल्म प्रोड्यूसर कीर्ति कुमार के साथ बनाई जाएंगी शिक्षाप्रद फिल्में

वीसी से मिले गोविंदा के भाई कीर्ति कुमार.

LUCKNOW (11 Jan, inext): एलयू में स्टूडेंट्स की पढ़ाई में शैक्षिक फिल्में भी माध्यम होंगी. रोचक और शिक्षाप्रद फिल्मों के जरिए जहां स्टूडेंट्स आसानी से चीजों को समझ सकेंगे. वहीं उनमें नैतिक और जीवन मूल्यों को विकास हो सकेगा. इस दिशा में लखनऊ यूनिवर्सिटी ने पहल शुरू कर दी है. मंगलवार को शिक्षा संकाय में फिल्म स्टार गोविंदा के भाई फिल्म प्रोड्यूसर कीर्ति कुमार के साथ विस्तार से चर्चा हुई.

एमओयू करेगा एलयू

शिक्षा संकाय की डीन प्रो. तृप्ता त्रिवेदी के मुताबिक फिल्म प्रोड्यूसर कीर्ति कुमार इसकी संभावना तलाशी जा रही है कि पढ़ाई के लिए फिल्मों का किस प्रकार से उपयोग हो सकता है. इसके अलावा स्टूडेंट्स के लिए फिल्म निर्माण में रोजगार के अवसर क्या हैं. इसके अलावा उनमें नैतिक मूल्य विकसित करने में फिल्म कितनी सहायक हो सकती हैं. प्रो. राकेश चन्द्रा के मुताबिक नई शिक्षा नीति में स्टूडेंट्स को व्यवसायिक प्रशिक्षण दिलाना और उनमें रचनात्मकता विकसित करना शामिल है. प्रो. चन्द्रा के मुताबिक उक्त सारी बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए ही शिक्षा विभाग फिल्म प्रोड्यूसर कीर्ति कुमार के साथ एमओयू करेगा. इस अवसर पर प्रो. अमिता बाजपेयी, डीन एकेडमिक प्रो. राकेश चन्द्रा और प्रो. दिनेश कुमार मौजूद रहें.

सीख सकेंगे फिल्म प्रोडक्शन

प्रो. राकेश चंद्रा के मुताबिक फिल्म प्रोड्यूसर कीर्ति कुमार फिल्म बनाने के अलावा शिक्षक भी रहे हैं. उन्होंने नेशनल फिल्म इंस्टीट्यूट पुणे में पढ़ाया भी है. कुछ समय से लखनऊ में हैं. उनके साथ मिलकर काम करने के तीन उद्देश्य हैं. उनकी संस्था के जरिए पत्रकारिता और सांस्कृतिकी के स्टूडेंट्स को इंटर्नशिप करा सकेंगे. स्टूडेंट्स को प्रशिक्षण दिलाया जा सकेगा और स्टूडेंट्स उनके साथ फिल्म निर्माण का ज्ञान हासिल कर सकेंगे.

एलयू में लगेंगे स्मार्ट मीटर

लखनऊ यूनिवर्सिटी कैम्पस के अहातों में बिजली चोरी को रोकने के लिए यूनिवर्सिटी प्रशासन स्मार्ट मीटर लगाएगा. इसके पीछे यूनिवर्सिटी का तर्क है कि स्मार्ट मीटर से बिजली की खपत में कमी आएगी. यूनिवर्सिटी में बिजली चोरी को रोकने के लिए यूनिवर्सिटी स्तर पर समय समय पर कदम उठाये जा रहे हैं. वर्ष 2015 के पहले यूनिवर्सिटी बिजली खपत के एवज में जहां सालाना 10 करोड़ रुपए खर्च करता था. वहीं अब 4 से 5 करोड़ रुपए खर्च करता है. बिजली चोरी को रोकने व खपत को कम करने के उद्देश्य से अब यूनिवर्सिटी की तरफ से मकर संक्रांति के बाद स्मार्ट मीटर पर कार्य शुरू करेगा. इसके लिए मॉडल के तौर पर पहले रजिस्ट्रार अहाते को लिया गया है. वहीं शिक्षकों के आवासों में बॉक्स के मीटर लगाए जाएंगे. यूनिवर्सिटी के अधिकारियों का कहना है कि अंडरग्राउंड तार के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है. प्रस्ताव पर अनुमोदन के बाद इस पर भी कार्य शुरू कर दिया जाएगा.

चार डिप्टी रजिस्ट्रारों को मिली जिम्मेदारी

लखनऊ यूनिवर्सिटी में चार नए डिप्टी रजिस्ट्रारों को उनका कार्य आवंटित कर दिया गया. इनमें डिप्टी रजिस्ट्रार राकेश कुमार मिश्र को परीक्षा विभाग, विधिक प्रकोष्ठ, मीटिंग अनुभाग, सूचना एवं आईजीआरएस, डिप्टी रजिस्ट्रार शशि प्रभा को डिस्पैच अनुभाग, प्रोजेक्ट, विकास एवं शोध, प्रवेश अनुभाग, छात्रवृत्ति अनुभाग, डिप्टी रजिस्ट्रार प्रमोद मिश्रा को शिक्षक अनुभाग, शिक्षणेतर अनुभाग, रिक्रूटमेंट एंड असेस्मेंट सेल, अभिलेख अनुभाग, डिप्टी रजिस्ट्रार महेश चंद्र शुक्ला को लेखा, आडिट, सामान्य प्रशासन, रूसा, स्टोर एवं टेंडर कार्य की जिम्मेदारी दी गई है. इस संबंध में रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने निर्देश जारी कर दिए. उन्होंने किसी अधिकारी के अवकाश पर रहने की स्थिति में लिंक अधिकारी भी नामित किए हैं, ताकि कार्य प्रभावित न हो.

PIONEER PAGE 3 & 4

एलयू में को-करिकुलम व वोकेशनल कोर्स के रूप में पढ़ाई का माध्यम बनेंगी शैक्षिक फिल्में

● अभिनेता गोविन्दा के भाई फिल्म प्रोड्यूसर कीर्ति कुमार देंगे योगदान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नई शिक्षानीति के अंतर्गत करिकुलम व वोकेशनल कोर्स के रूप में शैक्षिक फिल्में लखनऊ विश्वविद्यालय का माध्यम बनने वाली हैं। इसके लिए विवि प्रशासन जल्द फ़िल्म अभिनेता गोविंदा के भाई फिल्म प्रोड्यूसर कीर्ति कुमार के साथ अनुबंध करने की तैयारी में है। इससे स्टूडेंट्स जहाँ आसानी से चीजों को समझ सकेंगे, वहीं उनमें नैतिक और जीवन मूल्यों को विकास हो सकेंगा।

शिक्षा संकाय की डीन प्रो तृप्ता त्रिवेदी, प्रो अमिता बाजपेयी, डीन एकेडमिक प्रो राकेश चन्द्रा और चीफ प्रॉक्टर प्रो दिनेश कुमार ने बताया कि फिल्म प्रोड्यूसर कीर्ति कुमार द्वारा इसकी संभावना तलाशी जा रही है कि पढ़ाई के लिए फिल्मों का किस प्रकार से उपयोग हो सकता है। इसके अलावा विद्यार्थियों के लिए फिल्म निर्माण में रोजगार के अवसर क्या है, इसके अलावा उनमें नैतिक मूल्य विकसित करने में फिल्म कितनी सहायक हो सकती हैं। प्रो राकेश चन्द्रा के मुताबिक नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों को व्यवसायिक प्रशिक्षण दिलाना और उनमें रचानात्मकता विकसित करना शामिल है। प्रो चन्द्रा के मुताबिक उक्त सारी बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए ही शिक्षा विभाग फिल्म प्रोड्यूसर कीर्ति कुमार के साथ एमओयू करेगा।

छात्र इंटर्नशिप और प्रशिक्षण के अलावा सीख सकेंगे फिल्म प्रोडक्शन

प्रो राकेश चन्द्रा के मुताबिक फिल्म प्रोड्यूसर कीर्ति कुमार फिल्म बनाने के अलावा शिक्षक भी रहें हैं। उन्होंने नेशनल फिल्म इंस्टीट्यूट पूणे में पढ़ाया भी है। कुछ समय से लखनऊ में हैं। उनके साथ मिलकर काम करने के तीन उद्देश्य हैं। उनकी संस्था के जरिए पत्रकारिता और सांस्कृतिकी के विद्यार्थियों को इंटर्नशिप करा सकेंगे। विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिलाया जा सकेंगा। और विद्यार्थी उनके साथ फिल्म निर्माण का ज्ञान हासिल कर सकेंगे।

सन 1988 में फ़िल्म हत्या से निर्देशन के क्षेत्र में उतरने वाले प्रोड्यूसर कीर्ति कुमार बताते हैं कि उनके पिता अरूण ने 1937 से 1947 तक करीब 30 फिल्मों में अभिनय किया। साथ ही माता स्व निर्मला देवी 1942 से 1952 तक 10 फिल्मों की अभिनेत्री रही। मां शास्त्रीय संगीत की गायिका थी। उन्होंने बताया कि वह एक्टर भी रहे हैं। राधा का संगम, नसीब, आंटी नम्बर 1, प्यार दीवाना होता है जैसी कई फिल्में उनके खाते में दर्ज है। उन्होंने बताया कि विवि के साथ मिलकर मूल्यों पर आधारित शिक्षाप्रद फिल्म और डाक्यूमेंट्री बनाएंगे।

एलयू में बिजली चोरी रोकने के लिए अहातों में लगेंगे स्मार्ट मीटर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर के अहातों में बिजली चोरी को रोकने के लिए विवि प्रशासन स्मार्ट मीटरिंग लगाएगा। इसके पीछे विवि का तर्क है कि स्मार्ट मीटरिंग से बिजली की खपत में कमी आएगी। विवि में बिजली चोरी को रोकने के लिए विवि स्तर पर समय समय पर कदम उठाये जा रहे हैं। वर्ष 2015 के पहले विवि बिजली खपत के एवज में जहाँ सालाना 10 करोड़ रुपये खर्च करता था वहीं अब 4 से 5 करोड़ रुपये खर्च करता है। बिजली चोरी को रोकने व खपत को कम करने के उद्देश्य से अब विवि की तरफ से मकर संक्रांति के बाद स्मार्ट मीटरिंग पर कार्य शुरू करेगा। इसके लिए मॉडल के तौर पर पहले रजिस्ट्रार अहाते को लिया गया है। वहीं शिक्षकों के आवासों में बॉक्स के मीटर लगाए जाएंगे। विवि के अधिकारियों का कहना है कि अंडर ग्राउंड तार के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। प्रस्ताव पर अनुमोदन के बाद इस पर भी कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

HT PAGE 3

LU FELICITATES ITS BEST SPORTSPERSONS

Shreya Kumar and Yash Verma were felicitated. SOURCED

LUCKNOW : University of Lucknow's Dean Students Welfare and Lucknow University Athletic Association felicitated sportspersons, who bagged gold medals in various competitions.

Yash Verma, a student of BA 5th semester, was conferred with the Pierre Gold Medal. This medal is given to the best player of the university. Yash is a tennis player and has participated in many international and national competitions.

Shreya Kumar, a student of BSc 5th semester, bagged the Raja Shanker Sahai of Murawan Gold Medal for her contribution in the field of sports and education. HTC

THE PIONEER PAGE 4

Political Science dept of LU to conduct study on effect of social media campaigns by parties

PNS ■ LUCKNOW

The Political Science department of Lucknow University will carry out a study on 'How social media will affect the campaigns' in the UP assembly elections as the situation is unprecedented with the manner in which campaigns are being conducted in the midst of a raging pandemic.

Head of the department Manuka Khanna said. "We had earlier planned to do an on-ground study to know the voting psychology of people but with the current scenario, we will now take up the study on how this campaign is going to be different, how effective it would be and whether it is a better or sophisticated option. We are also going to link it to the environment."

She said the study would also focus on whether they would be able to communicate to all the masses through the online process because everybody is using phones and are reading newspapers online.

"We will try to find out whether the voters will be ready to listen to the debates on the phone. In the past, a face-to-face interaction had been effective with the crowds and an ambience was created for the same. We will also be studying whether the government will be in an advantageous position having effective channels of communication and will the opposition be able to influence the people as much as the government. The opposition will have to think of ways in which they reach out to the masses in a better manner," she said.